महिला की हत्या के बाद शव बोरे में बंद कर फेंकने वाला पडौसी गिरफ्तार

पैसों के विवाद में महिला के गले और सिर पर वार कर हत्या की थी

■ हत्या के बाद करीब 30 घंटे तक शव को ठिकाने लगाने की कोशिश में था आरोपी

जयपुर (कासं)। शास्त्री नगर इलाके में बोरे में बंद महिला का शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या कर शव को बोरे में भरकर ठिकाने लगाने वाले आरोपी पडौसी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पैसों के विवाद में महिला की नृशंस हत्या करना स्वीकार किया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह ने बताया मंगलवार सुबह सुभाष कॉलोनी, शास्त्रीनगर स्थित एक मकान के पोर्च में प्लास्टिक के बोरे से दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोरे से महिला का शव बरामद किया। मृतका की पहचान बबीता शर्मा (50) निवासी शास्त्री नगर के रूप में हुई। शव को कंबल में लपेटकर बोरे में पैक किया गया था और चेहरे व सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले थे। इसके बाद जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने त्वरित जांच करते हुए आरोपी जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू उर्फ राहुल (36) निवासी सुभाष कॉलोनी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतका बबीता शर्मा उसकी परिचित थी और दोनों के बीच लंबे समय से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी ने 21 दिसंबर को धारदार हथियार से महिला के गले और सिर पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद करीब 30 घंटे तक शव को ठिकाने लगाने की फिराक में रहा। सबूत मिटाने के लिए घर के फर्श को कई बार धोया और खून से सने कपड़े नाले में फेंक दिए। बाद में रात के समय शव को बोरे और कंबल में लपेटकर पास के मकान के खुले गेट से घसीटते हुए पोर्च में डाल दिया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह ने बताया कि आरोपी ने मकान हाल ही में बेच दिया था। जिससे किसी को उस पर शक न हो। ऐसी योजना उसने बनाई थी। घटना के बाद वह आसपास भीड़ में शामिल होकर पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि, मंगलवार सुबह सुभाष कॉलोनी स्थित परशुराम पार्क के पास 3 मंजिला मकान के पोर्च में प्लास्टिक के बोरे में शव मिला। यह मकान ठेकेदार सूरज प्रकाश सांवरिया का है, जहां ग्राउंड फ्लोर पर उनकी पत्नी मुन्नी देवी रहती हैं और ऊपर के दो फ्लोर पर किराएदार रहते हैं।मंगलवार सुबह पोर्च में पड़े बोरे को पहले किराएदारों का सामान समझा गया, लेकिन जांच करने पर उसमें महिला का शव मिला। मृतका की पहचान बबीता शर्मा (50) निवासी शास्त्री नगर के रूप में हुई है।

डॉग स्क्वॉड की मदद से पुलिस ने पकड़ा आरोपी

डॉग स्क्वॉड की जांच के दौरान पुलिस का श्वान वारदात स्थल से कुछ दूरी पर स्थित पडौसी के घर पहुंचा। इस आधार पर पुलिस ने पडौसी युवक जीतू को संदिग्ध मानते हुए हिरासत में लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि जीतू ने कुछ समय पहले अपना मकान 55 लाख रुपए में बेच दिया था और वह कभी-कभी इसी इलाके में रुकने आता था।

हरियाणा से मॉर्डन ड्रग लाकर जयपुर में बेचने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सिंथेटिक ड्रग तस्करी में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

■ पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 53.72 ग्राम एमडी और एक कार जब्त की

जयपुर । राजधानी में युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ जयपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है।

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एमडी (सिंथेटिक ड्रग) की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 53 ग्राम 72 मिलीग्राम एमडी तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार जब्त की गई है। जब्त एमडी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5.50 लाख रुपए बताई जा रही है। विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) राहुल प्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरुण सिंह निवासी सोडाला, लोकेंद्र सिंह निवासी मजदूर नगर और प्रशांत शर्मा निवासी वैशाली नगर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि तीनों आरोपी हरियाणा से एक नाइजीरियन तस्कर हेनरी से एमडी खरीदकर जयपुर में युवाओं के बीच सप्लाई करते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी युवाओं को नशे का आदी बनाकर बड़े नेटवर्क के जरिए ड्रग्स की तस्करी कर रहे थे। पूछताछ में नशे के कारोबार से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं, जिनकी तस्दीक की जा रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि जयपुर में इनके साथ और कौन-कौन लोग इस अवैध धंधे में शामिल थे। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि यह एक संगठित और लंबा नेटवर्क है। आरोपियों द्वारा बताए गए ठिकानों पर सीएसटी की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पूछताछ में उन लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जो इनसे एमडी लेकर आगे सप्लाई करने वाले थे। पुलिस का दावा है कि इस मामले में आने वाले दिनों में करीब आधा दर्जन और गिरफ्तारियां संभव हैं।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जयपुर में नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

सरस राजसखी मेले में हस्तशिल्प के साथ लोकरंग की धूम मची

सरस राजसखी मेले में मंगलवार को लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी।

जयपुर (कासं)। "भारत - एक सूत्रधार" की थीम पर आधारित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 इन दिनों लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए हस्तशिल्प, वस्त्र, व्यंजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भारतीय विविधता की एक जीवंत तस्वीर पेश कर रही है।

मेले के दौरान एनआईएफ ग्लोबल जयपुर, कमला पोद्दार इंस्टीट्यूट एवं राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु एक जागरूकता नाट्य प्रस्तुति भी दी गई। इस प्रस्तुति से यह संदेश दिया गया कि कॉन्फिडेंट कम्युनिकेशन और प्रभावी प्रेज़ेंटेशन से ग्राहक जुड़ाव बेहतर होता है, वहीं ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम और कैशलेस लेन-देन आज के डिजिटल युग में व्यवसाय की आवश्यकता बन चुके हैं। मेले में मंगलवार को टेक्सटाइल सेक्शन में खास तौर पर महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों से आए पारंपरिक वस्त्र अपनी विशिष्ट पहचान और आकर्षक बनावट के कारण खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। रंग-बिरंगे परिधान, बारीक हस्तनिर्मित डिज़ाइन, पारंपरिक कढ़ाई और क्षेत्रीय कला की झलक ने खरीदारों को अपनी ओर आकर्षित किया है। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोक नृत्य और मधुर मांड गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं बिहार के पारंपरिक लोक नृत्य-जजिया और जाट-जतिन-की जीवंत और भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। दर्शकगण तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन करते नजर आए और पूरा परिसर उत्सवधर्मी वातावरण में दिखा।

डिजिटल तकनीकों से विद्युत सेवाओं को सुगम बनाएं : नागर

जयपुर (कासं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भजनलाल सरकार की नीतियों से प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है। सरकार का प्रयास है कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रदेश के ऊर्जा ढांचे को मजबूत तथा आमजन से जुड़ी विद्युत सेवाओं को सुगम बनाया जाए। नागर कॉंस्टीट्यूशन क्लब में राजस्थान पावर सेक्टर डिजिटल कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से बिजली की मांग और इस क्षेत्र की अहमियत भी बढ़ी है। इसे देखते हुए विद्युत निगमों तथा उनके आधारभूत ढांचे को मजबूत करना बेहद आवश्यक है। ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने कहा कि पावर सेक्टर में डेटा एनालिसिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ा है। इसे देखते हुए प्रदेश के गांव-ढाणी में फैली लाखों किलोमीटर लंबी विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों तथा हजारों ग्रिड सब स्टेशनों में फैले डिस्ट्रिब्यूशन एवं ट्रांसमिशन नेटवर्क को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना जरूरी है। इससे आमजन तक विद्युत सेवाओं को अधिक सुगमता से पहुंचाया जाना संभव होगा। प्रदेश में ईआरपी, डिस्कॉम्स के असेट्स की जीआईएस आधारित मैपिंग, पावर ट्रांसफार्मर्स की हैल्थ आधारित मॉनीटरिंग सिस्टम विकसित करने, साइबर सुरक्षा, सिक्योरिटी ऑपरेशन सिस्टम, नेटवर्क ऑपरेशन सिस्टम आदि से जुड़े 700 करोड़ रु. के काम हाथ में लिए जाएंगे।

इस अवसर पर उत्पादन निगम के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी तथा ऊर्जा विभाग के संयुक्त शासन सचिव सौरभ स्वामी भी मौजूद थे। कॉन्क्लेव में पावर सेक्टर को आईटी आधारित सॉल्यूशन प्रदान करने वाली नामी कंपनियों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

"नाम्पूला" में 800 विकलांगों को लगाए जाएंगे जयपुर फुट

जयपुर। अफ्रीकी देश मोजम्बिक के दूसरे बडे शहर नाम्पूला में निजी सहभागिता से 800 विकलांगों को जयपुर फुट लगाकर चलने-फिरने योग्य बनाया जाएगा। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से जयपुर, थाईलैण्ड, हाँगकाँग और केन्या तथा मोजम्बिक की कुल 7 कम्पनियों ने स्वर्गीय प्रदीप मेहता की स्मृति में 60 दिवसीय इस शिविर का आयोजन किया है। नाम्पूला के सेन्ट्रल हॉस्पिटल में चल रहे इस शिविर के लिए सुधीर कोठारी व केन्या तथा मोजम्बिक के व्यवसायी अनुराग जैन के प्रयासों से जयपुर की जैम इण्डिया एक्सपोर्टस, हाँगकाँग की आरभवा एण्ड पी.टी. कलैक्शन्स लि., कीन जेड लि. तथा कोठारी ट्रेडिंग लि. तथा अनुराग जैन की मोजम्बिक की दो कम्पनियाँ एग्रीनोर मोज लि.व मरकाडो ओ.जे.एम. की कम्पनियों के सहयोग मिलाा। नाम्पूला की म्यूनिसिपल परिषद के अध्यक्ष लुई ग्वीकीरा ने सुधीर कोठारी और अनुराग जैन, प्रकाश भण्डारी के नेतृत्व में आई टीम का दोपहर भोज में सम्मान किया।

सार-समाचार

'नखराली नार' कार्यक्रम में बिखरे लोकरंग

जयपुर। गणगौर महिला ग्रुप की ओर से आयोजित "नखराली नार" कार्यक्रम में राजस्थान की रंग-बिरंगी लोक संस्कृति साकार हो उठी। ग्रुप फाउंडर और डायरेक्टर सुशीला भारती ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी महिलाएं राजस्थानी रंग बिरंगे परिधान और ज्वैलरी में सज-धज कर आई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चरी नृत्य रहा जिसमें किरण मौर्य ने पहला और इति कुमावत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। विशिष्ट अतिथि मीना श्रीवास्तव ने ट्रॉफी और पुरुस्कार देकर विजेताओं को सम्मानित किया। इस मौके पर रैंप वॉक भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के छः वर्ष पूरे होने पर सभी महिलाओं ने केक काटकर उत्सव मनाया। कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं ने राजस्थानी लोक गीतों पर ग्रुप डांस करके धमाल किया।

विद्यार्थियों को स्वेटर-जुराब व जूते बांटे

जयपुर । राजस्थान पेंशनर समाज, उप शाखा मालवीय नगर जयपुर ने अपने सामाजिक सरोकारों के तहत मंगलवार को द्वितीय चरण में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दहलावास, प्रताप नगर सांगानेर में 160 स्वेटर एवं 160 जुराब का वितरण प्रधानाचार्य रामफूल राछोया के निर्देशन में किया। इस अवसर पर संरक्षक सतीश गुप्ता द्वारा 100 बच्चों को जूते और स्कूल के लिए 10 दरिया भी भेंट की गई। इससे पूर्व स्कूल स्टाफ तथा छात्रों द्वारा पेंशनर समाज के सदस्यों का तिलक लगा कर एवं माला पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पेंशनर समाज के पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य भी मौजूद थे। संस्था के उप सचिव बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि पेंशनर समाज उप शाखा मालवीय नगर द्वारा पिछले 15 वर्ष से जरूरतमन्द स्कूली बच्चों को स्वेटर, जुराब आदि वितरित किये जा रहे है। पहले चरण में सोमवार को 192 स्वेटर और जुराब आदि वितरित किये गए थे।

"सफ़र-ए-शहादत वॉक" 25 को

जयपुर (कासं)। जयपुर की सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क द्वारा साहिबजादों की लसानी शहादत को समर्पित सफ़र-ए-शहादत वॉक 25 दिसंबर को आयोजित की जायेगी। यह आयोजन गुरुद्वारा चौड़ा रास्ता प्रबंधक और गुरुद्वारा चांदी की टकसाल प्रबंधक कमेटी के सहयोग से किया जा रहा है। वॉक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव सत्संग सभा, चौड़ा रास्ता से सुबह 9 बजे आरंभ होकर 11 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, चांदी की टकसाल में सम्पन्न होगी। जहां यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। सोसायटी के सचिव, सूर्य उदय सिंह ने बताया कि इस वॉक में लगभग 40-50 बच्चे सिख वेशभूषा में सम्मिलित होंगे। तख्तियां और बैनर के साथ साहिबजादों की शहादत और सिख मर्यादा का जीवंत संदेश देंगे। वॉक के दौरान शहीदी का संदेश देते हुए मोबाइल होर्डिंग भी साथ चलेगी। इसके साथ ही, अमृतसर की अमितोज गतका अकैडमी के बच्चों द्वारा गतके के रोमांचक करतब प्रस्तुत किए जाएंगे। इस प्रस्तुति के माध्यम से सिख वीरता और शौर्य की गौरवशाली परंपरा पर प्रकाश डाला जाएगा।

किसान अधिकार-सशक्तिकरण पर मंथन

जयपुर । भारत रत्न से सम्मानित, किसान मसीहा एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पर राष्ट्रीय किसान दिवस समारोह आयोजित हुआ। राष्ट्रीय लोकदल की ओर से यह कार्यक्रम जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में किया गया। समारोह अध्यक्षता राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने की। समारोह में किसानों के अधिकार, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सार्थक, सकारात्मक एवं विचारोत्तेजक संवाद हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एवं भामाशाह विजय पूनिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी ने भारत रत्न स्व. चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। त्यागी ने कहा कि, आरएलडी प्रदेश के सभी जिलों में स्व. चौधरी चरण सिंह के विचारों पर संगोष्ठी कराएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तियों के नाम पर बनाए राजस्व गांव रद्द किए

जयपुर (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने बाड़मेर जिले के दो राजस्व गांवों के नाम भूमि दान करने वालों के नाम पर रखने वाली अधिसूचना को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह अधिसूचना राज्य सरकार के 20 अगस्त, 2009 के परिपत्र के खिलाफ है। यह परिपत्र किसी व्यक्ति, जाति, धर्म या समुदाय के नाम पर राजस्व गांव के नामकरण पर रोक लगाती है। जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की खंडपीठ ने यह आदेश भीखा राम की याचिका पर दिए।

मामले के अनुसार राज्य सरकार ने 31 दिसंबर, 2020 को एक अधिसूचना जारी कर कई राजस्व गांव बनाए थे। इसमें बाड़मेर जिले के सोहदा गांव की मेघवालों की ढाणी से अलग किए अमरगढ़ और सगतसर गांव भी शामिल थे। अधिसूचना से पहले तहसीलदार ने प्रमाणित किया था कि सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और प्रस्तावित गांव किसी व्यक्ति, धर्म या जाति आदि से जुडे नहीं है। वहीं बाद में सीमांकन के दौरान कुछ ग्रामीणों ने यह आपत्ति दर्ज कराई कि अमरगढ़ और सगतसर नाम भूमि दान करने वाले अमरराम और सगत सिंह के नाम पर लिए गए हैं। इसके बाद 2020 की अधिसूचना को हाईकोर्ट की एकलपीठ में चुनौती दी गई।

हाईकोर्ट की एकलपीठ ने माना की दोनों गांवों के नामांकरण में साल 2009 के परिपत्र की अवहेलना की गई है। इसके साथ ही एकलपीठ ने अधिसूचना को रद्द कर दिया।

इसके खिलाफ पेश अपील पर खंडपीठ ने एकलपीठ का आदेश रद्द कर दिया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को रद्द कर दिया।

उडीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करेंगे प्रदेश के अफसर

नियम-प्रक्रियाओं, अनुमतियों, अवैध खनन पर कार्रवाई और राजस्व वृद्धि का होगा अध्ययन

प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने खनन अधिकारियों की बैठक ली।

■ माइनिंग, भूवैज्ञानिक व लेखा अधिकारी इन टीमों में शामिल, प्राप्त रिपोर्ट का राज्य सरकार स्तर पर होगा परीक्षण

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने उडीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन क्षेत्र की कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं (बेस्ट प्रेक्टिसेज) का अध्ययन कराने का निर्णय लिया है। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने बताया कि खान व भूविज्ञान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के तीन अलग अलग दल तीनों प्रदेशों में अध्ययन के लिए भिजवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह दल तीनों राज्यों में तकनीक का उपयोग, राजस्व वृद्धि और नियमों का अध्ययन कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि तीनों दल इन राज्यों के खनन रियायती नियमों, परिपत्रों, चारागाह व अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में खनन की अनुमतियों, पर्यावरण पूर्वानुमतियों आदि की प्रक्रियाओं व समय सीमा, अवैध खनन निगर्मन की रोकथाम के प्रावधानों, तकनीक के उपयोग के साथ ही राजस्व प्राप्ति की प्रक्रियाओं का अध्ययन करेगी। उन्होंने बताया कि अध्ययन दल को इन राज्यों की खनन क्षेत्र की बेस्ट प्रेक्टिसेज का भी अध्ययन करने के निर्देश दिए गए हैं। यह दल प्रदेश के संदर्भ में अध्ययन रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेंगे।

राज्य सरकार द्वारा तीनों राज्यों को भेजे जाने वाले दल में अधीक्षण खनि अभियंता स्तर के अधिकारी के साथ ही खनि अभियंता, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक और लेखा सेवा के अधिकारी का शामिल किया गया है।

उडीसा के दल में अधीक्षण खनिज अभियंता उदयपुर शिव प्रकाश शर्मा, खनिज अभियंता नागौर जेपी गोदारा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक सुशील कुमार और एएओ राजेश गर्ग को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश के दल में अधीक्षण खनि अभियंता डीपी गौड़, खनिज अभियंता बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक महेश शर्मा और एएओ जयपुर पवन शर्मा की टीम बनाई गई है। इसी तरह से छतीसगढ़ के दल में अधीक्षण खनिज अभियंता भीलवाड़ा ओपी काबरा, सहायक खनि अभियंता अलवर पुष्पेन्द्र जोधा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक अमिताभ जगावत और एएओ भीलवाड़ा संजय लोहिया को शामिल किया गया है।

अधिकारियों की टीम उडीसा और मध्यप्रदेश के लिए रवाना हो गई है, वहीं छत्तीसगढ़ जाने वाली टीम जनवरी के पहले सप्ताह में रवाना होगी।

देवनानी की पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का विमोचन

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया पुस्तक का लोकार्पण

उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन और केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पुस्तक का लोकार्पण किया।

■ भारत माता के चरणों में नमन के साथ अटलजी पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भावुक क्षण : सी.पी. राधाकृष्णन

■ सनातन, हिंदू और भारतीय संस्कृति एक ही चेतना के विभिन्न नाम : नितिन गडकरी

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा लिखित पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का लोकार्पण मंगलवार को उपराष्ट्रपति उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष मिलिंद मराठे उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे ने किया।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि आज का भारत, विश्व में सबसे अधिक शक्तिशाली और सबसे अधिक संभावनाशील राष्ट्र बनकर उभर रहा है। भारत माता के चरणों में नमन करते हुए सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि जैसी पुस्तक का लोकार्पण करना अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और विचारों पर आधारित यह कृति सही समय पर आई है, क्योंकि देश अटलजी की जन्म शताब्दी के अवसर की ओर अग्रसर है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अटलजी के शासनकाल में आधारभूत संरचना, मेट्रो रेल, राष्ट्रीय राजमार्ग और परमाणु शक्ति के क्षेत्र में जो नींव रखी गई, वही आज विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सनातन संस्कृति, हिंदू संस्कृति और भारतीय संस्कृति पर पिछले दशकों में जो भ्रांतियां फैलाई गईं, उन्हें दूर करना आवश्यक है। ये शब्द परस्पर विरोधाभासी नहीं हैं, बल्कि एक ही भाव के द्योतक हैं। गडकरी ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल संदेश सर्वधर्म समभाव और विश्व कल्याण है।

उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति कभी संकुचित, सांप्रदायिक या जातिवादी नहीं रही, बल्कि न्याय, समभाव और सभी के साथ समान व्यवहार की पक्षधर रही है। उन्होंने सेकुलर शब्द के वास्तविक अर्थ सर्वधर्म समभाव को समझने पर भी बल दिया। गडकरी ने कहा कि अटल जी के जीवन और विचारों को केंद्र में रखकर इस पुस्तक के माध्यम से सकारात्मक और प्रामाणिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का जो प्रयास वासुदेव देवनानी ने किया है, वह अत्यंत सराहनीय है।

वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह पुस्तक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचार और कृतित्व को सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों के आलोक में समझने का एक विनम्र प्रयास है। अटलजी का संपूर्ण जीवन संघ के संस्कारों, राष्ट्रप्रथम की भावना, संसदीय मर्यादाओं और सुशासन की अद्वितीय मिसाल रहा है।

एक प्रचारक से प्रधानमंत्री तक की अटलजी की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सनातन संस्कृति के मूल्य व्यक्ति को राष्ट्रसेवा के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा सकते हैं। उनकी कविताएं, संसद में ओजस्वी भाषण, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा, संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया ऐतिहासिक भाषण तथा परमाणु परीक्षण जैसे निर्णय भारत की आत्मविश्वासी चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि 12 अध्यायों और 146 पृष्ठों में समाहित इस पुस्तक में अटलजी के व्यक्तित्व के विविध आयामों संघ से वैचारिक निकटता, संसदीय परंपराओं में आस्था, विदेश नीति, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रिनर्माण में उनके योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

समारोह का संचालन प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार ने किया। प्रभात प्रकाशन के निदेशक पीयूष कुमार ने उपराष्ट्रपति और सभी मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।